

20/10

एस डी ओ/रीडर

पञ्जाब की कृषि कोश में पेशा हुई (दोनों पक्षों को  
ना: कौमुदी का रूपांतर जिवेद्युता से पायज कोष  
जाना है कि वो विवाहित राजा की गौना व रजसु  
सिंहाई की मर्यादाओं के बगैरे रसे। पञ्जाब की कृषि  
अनुभव होकर जसस से काम हो गया वरु तपनीज  
जिसका बाजार हो। (समाप्त) वरु हो।